प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

उद्योग उन्मुखी शिक्षा पर कार्यशाला प्रारम्भ

प्रौद्योगिक महाविद्यालय व उद्योगों के बीच होगा करार

पंतनगर। ४ मई २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में आज 'उद्योग उन्मुखी प्रौद्योगिक शिक्षा' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसके उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. एच.सी. शर्मा थे। यह कार्यशाला उद्योग-संस्थान वार्ता श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित की गयी है तथा इसे तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार परियोजना (टिक्विप) द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है।

इस अवसर पर अपने उद्घाटन संबोधन में अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी, डा. एच.सी. शर्मा, ने अपने महाविद्यालय में चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं परियोजनाओं की जानकारी दी। टीक्विप के समन्वयक, डा. अरूण कुमार ने इस परियोजना के मुख्य बिन्दुओं के बारे में बताया। महाविद्यालय में प्रशिक्षण एवं सेवायोजन के प्राध्यापक डा. अखिलेश कुमार ने वर्तमान में सेवायोजन के परिदृश्य की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डा. पी.के. ओमरे ने किया तथा उन्होंने आरम्भ में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया व अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम का समन्वयन डा. टी.पी. सिंह ने किया। कार्यशाला में उद्योग जगत से आये मैसर्स न्यू हॉलैण्ड प्रा. लि., मैसर्स रॉकेट रिद्धि सिद्धि प्रा. लि., मैसर्स डेल्टा पावर साल्यूशन इण्डिया प्रा. लि., मैसर्स फरफैटी वान मैले प्रा. लि., मैसर्स वेदान्ता ग्रुप एवं मैसर्स ग्राफिटी एक्सपोर्ट लि. के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के सम्मुख अपना प्रस्तुतिकरण दिया।

इस अवसर पर उद्योग जगत के साथ करार करने हेतु भी महाविद्यालय द्वारा प्रस्ताव दिया गया, जिसके अनुसार उद्योगों के अनुभवी अधिकारियों द्वारा महाविद्यालय में अतिथि व्याख्यान दिये जाएंगे, महाविद्यालय के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों को संयंत्र प्रशिक्षण दिये जाएंगे। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों द्वारा सेमीनार व कान्फ्रेंस में हिस्सा लिया जाएगा व विद्यार्थियों की परियोजनाओं को सहायता दी जाएगी। महाविद्यालय द्वारा उद्योगों के इंजीनियर व टेक्नीशियन को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा उद्योगों द्वारा महाविद्यालय में पाठ्यक्रमों में संशोधन व उच्चीकरण हेतु सुझाव दिये जाएंगे। यह करार प्रारम्भ में तीन वर्ष के लिए किया जाएगा।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रौद्योगिकी विषयों के पाठ्यक्रमों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालते हुए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है, ताकि यहां से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी उद्योगों में अपना योगदान दे सकें साथ ही यदि चाहें तो स्वयं का उद्योग प्रारम्भ कर सकें।

कार्यशालय के उद्घाटन सत्र में मंचासीन वैज्ञानिक एवं अतिथि।